हिन्दी दैनिक

इंडिया वार्ता

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम

वर्ष : 14 अंक : 254 देहरादून, गुरूवार 08 मई 2025 शुल्क : पचास पैसे पृष्ठ संख्या : 08

आत्मिक वाणी

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधिकाधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनकों अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

4 अप्रैल से यात्रा शुरू होने तक उत्तराखंड में .. 8

केंद्रीय गृह मंत्री के साथ आयोजित वर्चुअल बैठक के बाद सीएम धामी ने ली उच्चस्तरीय बैठक

अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती के निर्देश, लोगों से अफवाहों से बचने की अपील

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की परिस्थितियों को देखते हुए चारधाम यात्रा, उत्तराखंड में स्थित महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और बांधों और ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतेजाम किये जाएं। उन्होंने शासन, प्रशासन और पुलिस को भी अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिये हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करने के बाद, मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्तरराष्ट्रीय सीमाओं से लगे राज्य के सभी क्षेत्रों में सुरक्षा की दृष्टि से पुख्ता इंतजाम किए जाएं, सीमांत क्षेत्रों में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाए। उन्होंने कहा कि इस समय राज्य में चारधाम यात्रा चल रही है, जिसमें लाखों तीर्थयात्री प्रतिभाग कर रहे हैं, इसलिए यात्रा मार्ग सहित चारों धामों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। उन्होंने कहा कि

- शेष पृष्ठ 7 पर ...

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से खुशी, सीएम धामी सहित लोगों ने सेना को दी बधाई

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। ।प्रदेश की राजधानी देहरादून की सड़कों पर बुधवार सुबह भारत माता की जय के जयकारों की गूंज सुनाई दी। पाकिस्तान में भारतीय सेना द्वारा आतंकियों के विरुद्ध चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद की सफलता की खुशी लोगों के चेहरे खिल उठे। राजधानी दून में योगाचार्य डा बिपिन जोशी के सानिध्य में गढ़ी कैंट में भारतीय सेना को बधाई दी गई। डॉ जोशी ने कहा कि आतंकवाद का अब खात्मा होना ही चाहिए। हर आतंकवादी को जमीन में गाड़ने तक कार्रवाई जारी रहनी चाहिए। स्कूल के प्रधानाचार्य वसंत उपाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में रैली में शामिल शिक्षक-शिक्षिकाओं ने कहा कि हमें अपनी भारतीय सेना पर गर्व है। वहीं ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए बुधवार की सुबह पौराणिक टपकेश्वर महादेव देहरादून में भोलेनाथ का दुग्धाभिषेक किया गया और भारतीय सैनिकों के लिए विशेष पूजा अर्चना की गई। सीएम धामी ने एयर स्ट्राइक पर जताई खुशी। सीएम धामी ने सोशल मीडिया के एक्स अकाउंट पर लिखा कि पहलगाम आतंकी हमले से आक्रोश में भरे बैठे देश के लोग भारतीय सेना की एयर स्ट्राइक से खुश हैं। उनका कहना है कि आतंकवादियों को इसी तरह नेस्तनाबूद किया जाना चाहिए। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को जैसे ही रात में एयर स्ट्राइक की खबर लगी। उन्होंने एयर स्ट्राइक पर अपनी खुशी का इजहार किया।

उत्तराखंड के विकास पथ पर मुख्यमंत्री धामी का अभिनंदन, समान नागरिक संहिता और भ्रष्टाचार मुक्त शासन पर ज़ोर

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का गुरुवार को अर्पित फाउंडेशन द्वारा मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में भव्य अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने इसे व्यक्तिगत सम्मान न मानते हुए उत्तराखंड की सवा करोड़ जनता का सम्मान बताया, जिन्होंने हर महत्वपूर्ण निर्णय में सरकार का साथ दिया। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा उठाए गए ऐतिहासिक कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में अब नकल और पेपर लीक जैसी समस्याओं का अंत हो गया है। देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू होने से युवाओं के भविष्य को नई दिशा मिली है, जिसके परिणामस्वरूप पिछले साढ़े तीन वर्षों में 23 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है। मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही योजनाओं की सराहना की। उन्होंने उत्तराखंड सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री नारी सशक्तिकरण योजना, महालक्ष्मी योजना, वात्सल्य योजना, आंचल अमृत योजना और पोषण अभियान जैसी योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने समान नागरिक संहिता को लागू करने का भी जिक्र किया, जिससे समाज में समरसता और महिलाओं को समान अधिकार मिले हैं। लिव-इन रिलेशनशिप के पंजीकरण को अनिवार्य कर महिलाओं और बच्चों को कानूनी सुरक्षा प्रदान की गई है। उन्होंने राज्य में धर्मांतरण, लव जिहाद और लैंड जिहाद जैसी गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। दंगारोधी कानून और सख्त भू-कानून लागू करके राज्य को सुरक्षित और संरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अभिनंदन समारोह में स्वामी चिदानन्द मुनी महाराज, स्वामी यतीन्द्रानन्द गिरी, स्वामी कृष्ण गिरी, स्वामी भरत गिरी, वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम जाजू, विधायक दुर्गेश्वर लाल, अर्पित फाउण्डेशन की अध्यक्ष हनी पाठक और विभिन्न सामाजिक और सैनिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। यह समारोह उत्तराखंड के विकास और सुरक्षा के प्रति मुख्यमंत्री धामी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री धामी ने राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की

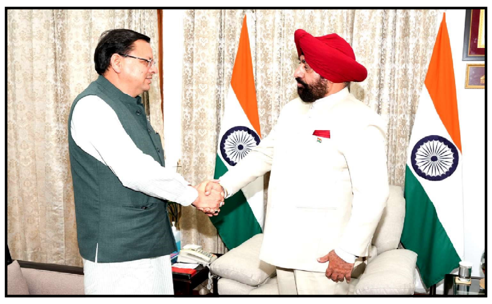

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से बुधवार को राजभवन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उनके मध्य राज्य के विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई।

सम्पादकीय

असमानता

प्राचीन काल से ही महिलाओं ने शांतिपूर्ण और शत्रुतापूर्ण वातावरण दोनों में अपनी ताकत साबित की है और असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। महिलाओं के उज्जवल भविष्य के लिए हमारे देश में शिक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सशक्तिकरण एक कमजोर स्थिति से व्यायाम करने की शक्ति की ओर बढ़ने की प्रक्रिया है। समाज की स्थिति को बदलने के लिए महिला शिक्षा सबसे शक्तिशाली उपकरण है। शिक्षा असमानताओं को भी कम करती है और उनकी स्थिति में सुधार के एक साधन के रूप में कार्य करती है और उस दिन की प्रतीक्षा करती है जब लिंग की परवाह किए बिना सर्वश्रेष्ठ अधिकारी कमान के पदों पर आसीन होंगे। हालांकि, कांच की छत को तोड़ते हुए, मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश के एक टीवी मैकेनिक की बेटी सानिया मिर्जा देश की पहली मुस्लिम लड़की बन गई, जिसे भारतीय वायु सेना लड़ाकू पायलट बनने के लिए चुना गया। कुछ ऐतिहासिक निर्णयों के माध्यम से, भारत लैंगिक असमानता को समाप्त करने वाले दुनिया के कुछ देशों में से एक बन गया। 1.4 मिलियन-मजबूत भारतीय सेना में, महिलाएं मामूली 0.56 प्रतिशत का गठन करती हैं, जबकि वायु सेना में यह आंकड़ा 1.08 प्रतिशत और नौसेना में 6.5 प्रतिशत है। अकेले मुस्लिम महिलाओं के लिए गणना की जाए तो प्रतिशत कम हो जाता है। यह धारणा कि महिलाओं में संकल्प की कमी है, साथ ही यह भी कि नाजुकता और नाजुकता एक महिला के चरित्र का पर्याय है, समकालीन युग के दिमाग की उपज है क्योंकि इतिहास इस तथ्य का प्रमाण है कि महिलाओं ने हमेशा युद्ध के मैदान में साहस और वीरता दिखाई है। सभी बाधाओं को पार करते हुए, मुस्लिम महिलाओं को सानिया मिर्ज़ा ने अन्य मुस्लिम महिलाओं के लिए उनके नक्शेकदम पर चलने और सशस्त्र बलों में भर्ती होने से मुस्लिम महिलाओं से जुड़ी रूढ़िवादिता को तोड़ने के लिए एक मिसाल कायम की है।

आतंकवाद पर बड़ा प्रहार

पाकिस्तान के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा भी महत्वपूर्ण

संजीव ठाकुर

भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश होने के साथ-साथ शांति सौहार्द्र और गुटनिरपेक्षता का पक्षधर रहा है पर वर्तमान में जब पाक समर्थित आतंकियों द्वारा पहलगाम में 27 निर्दोष भारतीयों की निर्मम हत्या कर दी गई है,भारत का यह देशवासियों के प्रति बनता है कि देशवासियों की रक्षा करे और उन आतंवादियों और उनको पनाह देने वाले व्यक्ति और देश को समूल नष्ट करे। भारत यदि पाकिस्तान पर हमला कर युध्य करता है तो यह भारत की तरफ से आक्रमण नही आत्म-सुरक्षात्मक आवश्यक कदम होगा,फिर यदि उसमे आतंकवादी मरें या कोई देश नेस्तनाबूद हो भारत को बिल्कुल भी फिक्र करने की जरा भी जरूरत नही है।

भारत संप्रभुता एकता तथा अखंडता का वैश्विक स्वच्छ एवं साफ-सुथरी छवि वाला एकमात्र बड़ा लोकतांत्रिक देश है। अमेरिका में भी लोकतंत्र है पर वहां पूंजीवादी व्यवस्था तथा व्यापक व्यवसायीकरण ने अनेक राष्ट्रों को विस्तार वादी तथा साम्राज्यवादी मानसिकता का बना दिया है। अमेरिका की शक्ति संपन्नता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसे एक असंवेदनहीन,लोकतांत्रिक एवं निरंकुश राष्ट्र के रूप में स्थापित कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अमेरिका और विभिन्न काल खंडों में अलग-अलग देशों को एक दूसरे से युद्ध करने के उकसाने के लिए बदनाम रहा है, और उसकी इस इस कूटनीति का सबसे बड़े एवं तात्कालिक उदाहरण अफगानिस्तान में तालिबान आतंकवादियों का कब्जा एवं और रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन अमेरिकी तथा अमेरिकी समर्थित नैटो एवं यूरोपीय देशों की भूमिका ही रही है। इसी तरह इसराइल हमास युद्ध में इसराइल को खुला समर्थन देकर अमेरिका ने विस्तारवाद तथा साम्राज्यवाद की आग को हवा देने का काम किया है और लगभग चारों देशो के लाखों लोगों की जान को जिंदगी से वंचित कर दिया है। भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश होने के साथ-साथ शांति सौहार्द्र और गुटनिरपेक्षता का पक्षधर रहा है।

भारत देश में सदैव वैश्विक शांति का संदेश ही दिया है, यह अलग बात है कि भारत में धार्मिक सामाजिक आर्थिक विविधता विषमता के कारण अंदरूनी विवादों तथा आतंकवादी गतिविधियों के कारण अशांत रहने पर मजबूर किया है। भारत की आंतरिक सुरक्षा भी पिछले 20 वर्षों से अलग-अलग शहरों यहां तक संसद भवन के हमलों और कश्मीर में विभिन्न समय तथा स्थानों पर आतंकवादी हमलों ने भारत की आंतरिक व्यवस्था में उथल-पुथल मचाने का प्रयास किया है, भारत की शक्ति और सामर्थ्य इतनी सक्षम है कि आतंकवादियों के हमलों का भारत सरकार ने समय-समय पर मुंहतोड़ जवाब भी दिया है। पठानकोट और पुलवामा हमले इसके सबसे सशक्त और सक्षम मामले हैं जहां भारत ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट किया है। जम्मू कश्मीर में भी छुटपुट घटनाओं के अलावा स्वतंत्रता के बाद से शांति का माहौल स्थापित हुआ है। जहां तक भारत की सीमा के विवाद का प्रश्न है तो भारत भौगोलिक रूप से एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है और भारत की सीमाएं 7 जिनमें चीन, नेपाल, म्यानमार ,भूटान, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान देश शामिल हैं। भारत सदैव अपने पड़ोसियों से शांति के संबंध स्थापित रखना चाहता है। भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्ष एवं शांति, सद्भावना की रही है। भारत के साथ पड़ोसी देशों में भूटान,बांग्लादेश श्रीलंका ,मालदीव ,सदैव भारत के साथ मित्रवत रहे हैं किंतु चीन तथा पाकिस्तान ने हमेशा भारत के हितों का नुकसान की चाहा है भूटान, बांग्लादेश, और बांग्लादेश ने भारत से अपने संबंध अपने हितों से जोड़कर कई संधियों में हस्ताक्षर किए ,जिसके कारण दोनों देशों ने मिलकर कई पावर प्लांट, पावर ट्रांसमिशन लाइन,1 बंदरगाह की विकास रेल लाइन निर्माण आदि में एक दूसरे का साथ दिया है पर आज बांग्लादेश भारत का बड़ा दुश्मन बन चुका है, मालदीव एक एसा देश है जिसका दक्षिण तथा अरब सागर में सामरिक महत्व है, इसलिए भारत के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। चीन पाकिस्तान के अलावा नेपाल से भी भारत के संबंध बहुत मधुर कभी नहीं रहे हैं नेपाल में चीन तथा पाकिस्तान के हस्तक्षेप के कारण नेपाल भारत की आलोचना करता आया है। पाकिस्तान का इस्लामिक कट्टरपंथ एवं वहां की सेना तथा पाकिस्तानी शासन के हुक्मरान भारत को अपना दुश्मन नंबर एक मानते हैं। भारत का नेपाल के साथ सीमा विवाद है जिसके चलते नेपाल का नजरिया भारत के प्रति बदलता गया है। भारत और चीन के संबंध 1962 के बाद से सभी सामान्य नहीं रहे हैं। लाइन आफ एक्चुअल कंट्रोल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश तथा लद्दाख में सदैव अतिक्रमण किया है और भारत का चीन से डोकलाम, पपेंगांग, गलवान क्षेत्रों में सैनिक स्तर का विवाद होता रहा है और एलएसी पर चीन और भारत में बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात किया है। इसी बात में अमेरिका भारत के साथ है किंतु रूस इस मामले में निरपेक्ष नीति अपनाए हुए हैं। यह अलग बात है कि अमेरिका भारत का स्वतंत्रता के बाद से तभी सहयोगी मित्र नहीं रहा है और रूस ने परंपरागत रूप से अपनी मित्रता भारत के साथ अलग-अलग घटनाओं तथा युद्धों में साबित की है। यह तो तय है कि भारत में आतंकी गतिविधियां आंतरिक सुरक्षा के लिए हमेशा खतरा बनी हुई थी और है। इसके अलावा एल ए सी तथा एलओसी में चीन तथा पाकिस्तान जैसे देशों से हमें मुकाबला करना होगा। पाकिस्तान दिवालिया होने की कगार पर है पर चीन की मदद तथा उकसावे के कारण पाकिस्तान भारत को एक बड़ा दुश्मन मानती है। वैसे तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार की सभी देशों से अच्छी मित्रता है एवं भारत को शांति का पक्षधर माना जाता है किंतु रूस यूक्रेन युद्ध में यह बात एकदम स्पष्ट उभर कर आई है कि किसी भी युद्ध में देश को अपनी सुरक्षा खुद की शक्ति एवं सामर्थ्य से करनी होगी। अमेरिका जैसे देश बाहर से तमाशा देखने वाले देशों में माने जाते हैं। अत: भारत को अपनी आंतरिक तथा सीमा की सुरक्षा स्वयं के शक्ति तथा सामर्थ से ही करनी होगी एवं हमेशा सतर्कता बरतनी होगी।

जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

संपर्क करें
संपादक
दैनिक इंडिया वार्ता

प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड)
मोबाईल न.- 7500581414,9359555222
Email: indiawarta@gmail.com

डीएम के लेटर मॉनिटरिंग सिस्टम से जनसमस्याओं का त्वरित समाधान

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल द्वारा कलेक्ट्रेट में स्थापित अभिनव लेटर मॉनिटरिंग सिस्टम अब जनमानस की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस प्रणाली के माध्यम से शिकायतों की गहन निगरानी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे न केवल लोगों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण हो रहा है, बल्कि विभागीय अधिकारियों की जवाबदेही भी बढ़ गई है।

अपनी सशक्त प्रशासनिक क्षमता और त्वरित निर्णय लेने की कार्यशैली के लिए जाने जाने वाले जिलाधिकारी सविन बंसल के प्रयासों से जनता की शिकायतों का तत्काल समाधान संभव हो पा रहा है, और विकास योजनाओं को भी तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है।

इसी क्रम में, 28 अप्रैल को जनता दर्शन कार्यक्रम में खुड़बुड़ा मोहल्ला निवासी देवेन्द्र कुमार टुकराल ने सीवरेज लाइन संबंधी अपनी समस्या दर्ज कराई थी। उन्होंने सीवर लाइन चोक होने और सीवर मेनहोल चैम्बर का कवर सड़क के स्तर से नीचे होने की शिकायत की थी। जिलाधिकारी के त्वरित संज्ञान और प्रभावी मॉनिटरिंग सिस्टम की बदौलत, जल संस्थान ने मात्र तीन दिनों के भीतर, यानी 1 मई 2025 को इस समस्या का समाधान कर दिया।

क्षेत्रीय सहायक अभियंता द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, 1 मई को चोक हुई सीवर लाइन को खोल दिया गया और सड़क के नीचे दबे मेनहोल चैम्बर कवर को भी ऊपर उठा दिया गया है। शिकायतकर्ता देवेन्द्र कुमार टुकराल ने स्वयं 2 मई को दूरभाष के माध्यम से इसकी पुष्टि की है कि अब उनके क्षेत्र में सीवर लाइन सुचारू रूप से कार्य कर रही है।

जिला प्रशासन का यह सक्रिय और त्वरित रवैया आम जनता में विश्वास पैदा कर रहा है और यह स्पष्ट संदेश दे रहा है कि जनसमस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। डीएम के इस लेटर मॉनिटरिंग सिस्टम की सफलता अन्य विभागों के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण बन गई है।

सैन्य क्षेत्र के आस-पास घूम रहा एक संदिग्ध गिरफ्तार

रुड़की, इंडिया वार्ता ब्यूरो। मंगलवार की देर रात रुड़की सैन्य क्षेत्र के आसपास घूम रहे एक संदिग्ध व्यक्ति को सेना के जवानों ने पकड़ लिया। पकड़े गए सन्दिग्ध से रात भर सेना की इंटेलिजेंस ने कड़ी पूछताछ की है। पता चला है कि सन्दिग्ध व्यक्ति बिहार राज्य का रहने वाला है। बुधवार की दोपहर को सेना के जवान सन्दिग्ध व्यक्ति को लेकर कोतवाली सिविल लाइन पहुंचे।

सिविल लाइन कोतवाली पुलिस ने पकड़े गए व्यक्ति से पूछताछ शुरू की है। बताते चले कि पाकिस्तान पर मंगलवार की रात भारत की स्ट्राइक के बाद रुड़की स्थित सैन्य क्षेत्र के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सिविल लाइन कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक विनोद थपलियाल ने बताया कि सन्दिग्ध को कोतवाली लाया गया हैं पूछताछ के बाद ही इस बारे में कोई जानकारी दी जा सकती है।

भारत की तरफसे पाकिस्तान पर की गई स्ट्राइक के बाद शहर से लेकर देहात तक पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है। शहर में जगह-जगह तलाशी अभियान चल रहा है साथ ही संवेदनशील जगहों पर पुलिस बल की संख्यां बढ़ा दी गई है। गंग नहर कोतवाली पुलिस ने रामपुर चुंगी, तेलीवाला फाटक, सोहलपुर तिराहा पर चेकिंग शुरू की है।

इसके अलावा रेलवे स्टेशन के आसपास और होटल में चेकिंग अभियान शुरू किया है। वहीं सिविल लाइन कोतवाली पुलिस ने भी बस स्टैंड समेत अन्य जगह पर सुरक्षा बढ़ाई है तथा जगह-जगह पर चेकिंग शुरू की है। इसके अलावा भगवानपुर, मंगलौर, कलियर समेत अन्य जगहों की थाना पुलिस में अपने-अपने क्षेत्र में चेकिंग कर रही है।

सेना की सुप्रीम कमांडर राष्ट्रपति मुर्मू के नाम से होगी बद्रीनाथ में पूजा : महाराज

हमारी सेना ने दिया पहलगाम हमले का माकूल जवाब

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। प्रदेश के पर्यटन, लोकनिर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने आपरेशन सिंदूर की शानदार सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि भारतीय सेना की इस बहादुरी और कौशल की कहानी ने देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि हमारी तीनों सेनाएं त्रिशूल हैं जिसने दुश्मन के घर में घूसकर उसे पहलगाम हमले का माकूल जवाब दिया है। प्रदेश के पर्यटन, लोकनिर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि पहले त्रेतायुग में हनुमान जी ने सर्जिकल स्ट्राइक कर दुश्मन को घर में घूसकर मारा और अब बालाकोट के बाद एक बार पुनः हमारी सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देकर सीमा पार बैठे आतंकवादियों के ठिकानों को चुन चुन कर तबाह किया है। उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं की सूझबूझ और पराक्रम से आज देश स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और भारतीय सेना की विजय के साथ-साथ यह ऑपरेशन देश की नारी का भी सम्मान है। इसलिए सेना की सुप्रीम कमांडर और देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के नाम से कल 08 मई को भगवान बद्री विशाल में पूजा अर्चना की जायेगी।

वीर शहीद केसरी चंद महाविद्यालय में छात्रों को मिलेगी ढेर सारी सुविधाएं

इंडिया वार्ता ब्यूरो

विकासनगर । वीर शहीद केसरी चंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डाकपत्थर में विधायक मुन्ना चौहान ने प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय में 14 करोड़ 25 लाख की लागत से बनाए जाने वाले प्रशासनिक भवन, वाणिज्य भवन, कला भवन का शिलान्यास किया गया। विधायक मुन्ना चौहान ने कहा कि आने वाले समय में डाकपत्थर महाविद्यालय विश्व स्तरीय महाविद्यालय के श्रेणी में गिना जाएगा। महाविद्यालय परिसर में तमाम वह सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। कहा कि प्रशासनिक और वाणिज्य कला भवन बनने से जहां महाविद्यालय के कार्यालय और अन्य गतिविधियों को संचालित करने में आसानी होगी साथ में छात्र-छात्राओं को भी इन भवनों के बनने से सुविधा होगी।

उन्होंने स्पष्ट किया है कि समय सीमा के अंतर्गत और भवन निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। शिलान्यास कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डीएस नेगी ने कहा कि महाविद्यालय को रिसर्च स्टडी सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है। जिससे छात्र-छात्राओं को लाभ होगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. राधेश्याम गंगवार, चीफ प्रॉक्टर डॉ. रोशन लाल केष्टवाल, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र चौहान, अध्यक्ष छात्र संघ अध्यक्ष आशीष बिष्ट, पूर्व महासचिव राहुल तोमर, पेयजल निगम विकासनगर से अनिल शर्मा, सहायक अभियंता पेयजल निगम प्रदीप काला, अपर सहायक अभियंता पेयजल निगम एवं कॉन्ट्रैक्टर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजकुमारी भंडारी चौहान ने किया।

डीएम ने किया यात्रा संचालन में सहयोग की अपील

रुद्रप्रयाग,इंडिया वार्ता ब्यूरो। जिलाधिकारी डॉ सौरभ गहरवार ने स्पष्ट किया कि जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती, तीर्थयात्री डंडी, कंडी और पिट्ठू जैसे वैकल्पिक माध्यमों से यात्रा करें। व्यापारियों से भी अनुरोध किया गया है कि वे सामान ढुलाई के लिए इन विकल्पों का प्रयोग करें, ताकि बीमार पशुओं को आराम मिल सके और संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। कहा कि यह संकट केवल पशुधन का नहीं, बल्कि हमारी यात्रा व्यवस्था और स्थानीय आर्थिकी से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जैसे ही लक्षण सामने आए, तुरंत स्क्रीनिंग, क्वारंटाइन और विशेषज्ञों की सहायता शुरू कर दी गई थी। पंतनगर, देहरादून और हिसार से परामर्श लेकर सभी आवश्यक टीमें गठित की जा चुकी हैं। उन्होंने अपील की कि वे किसी भी प्रकार के घरेलू उपचार या अफवाहों पर विश्वास न करें। केवल विभागीय पशु चिकित्सकों से ही संपर्क करें और बीमारी के किसी भी लक्षण को नज़र अंदाज न करें। घोड़े खच्चरों में फैले संक्रमण के बीच स्थानीय निवासियों, व्यवसायियों ने भी घोड़े-खच्चरों की व्यापक जांच की मांग की। इनमें प्रधान संगठन उखीमठ के अध्यक्ष सुभाष रावत के साथ-साथ अवतार नेगी, सुरेंद्र रावत एवं संदीप पुष्पवाण ने प्रशासन से 24 घंटे से लेकर चार दिन तक के लिए घोड़े खच्चरों की आवाजाही पर रोक की मांग की थी। चिकित्सकों द्वारा व्यापक स्तर पर जांच करने एवं 24 घंटे के लिए आवाजाही पर रोक को लेकर उन्होंने पशुपालन विभाग का धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

9 आतंकी ठिकाने, 25 मिनट की एयर स्ट्राइक और सब बर्बाद कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की दी पूरी जानकारी

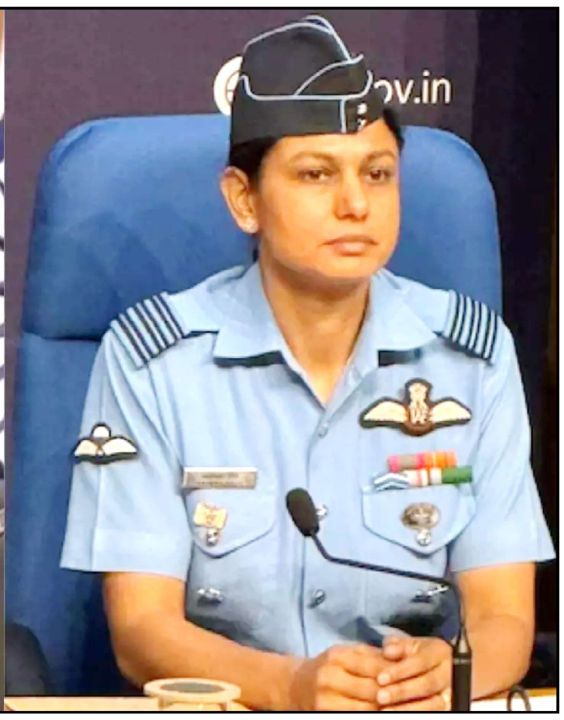

नईदिल्ली,एंजेंसी। %ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर भारतीय सेना, वायुसेना और विदेश मंत्रालय ने संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग की, जिसमें विदेश सचिव विक्रम मिस्री, वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह और भारतीय सेना की लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी शामिल हुईं। सैन्य अधिकारियों ने आतंकी ठिकानों पर किए गए हमले की क्लिप भी दिखाई।

प्रेस ब्रीफिंग में कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा, पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था। नौ आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया गया। पाकिस्तान में पिछले तीन दशकों से आतंकवादी इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो रहा था, जो पाकिस्तान और पीओके दोनों में फैला हुआ है।

कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा, मैं आपको बताना चाहूंगी कि पीओजेके में पहला लक्ष्य मुजफ्फराबाद में सवाई नाला कैंप था, जो नियंत्रण रेखा से 30 किलोमीटर दूर स्थित है। यह लश्कर-ए-तैयबा का प्रशिक्षण केंद्र था। 20 अक्टूबर 2024 को सोनमर्ग, 24 अक्टूबर 2024 को गुलमर्ग और 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए हमलों में शामिल आतंकवादियों ने यहीं से प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया, रात 1 बजकर पांच मिनट से 1 बजकर 30 मिनट के बीच हमला किया गया। पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और उनके परिवारों को न्याय दिलाने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था। नौ आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाया गया और सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया। नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान से बचाने और किसी भी नागरिक की जान को नुकसान से बचाने के लिए स्थानों का चयन किया गया था।

इससे पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने संयुक्त ब्रीफिंग में बताया, 22 अप्रैल 2025 को लश्कर और पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हमला किया और 25 भारतीय नागरिकों और 1 नेपाली नागरिक की हत्या कर दी। आतंकियों ने पर्यटकों को उनके परिवार के सदस्यों के सामने सिर में गोली मार दी। इस दौरान परिवार को धमकाया गया और उस बर्बरता का संदेश देने को कहा गया। चूंकि जम्मू-कश्मीर में पर्यटन फिर से बढ़ रहा था, इसलिए हमले का मुख्य उद्देश्य उसे नुकसान पहुंचाना और दंगा भड़काना था।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, पहलगाम में हमला अत्यंत बर्बरतापूर्ण था, जिसमें पीड़ितों को बहुत नजदीक से सिर में गोली मारकर और उनके परिवार के सामने मारा गया। परिवार के सदस्यों को जानबूझकर इस तरह से मारा गया कि उन्हें संदेश वापस ले लेना चाहिए। यह हमला स्पष्ट रूप से कश्मीर में सामान्य स्थिति को कमजोर करने के उद्देश्य से किया गया था।

उन्होंने आगे कहा, रेजिस्टेंस फ्रंट नामक एक समूह ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली है। यह समूह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा है। इस हमले में पाकिस्तान का हाथ होने की पुष्टि हुई है। पहलगाम पर हुआ हमला कायराना था और पहलगाम हमले की जांच से पाकिस्तान के आतंकवादियों से संबंध उजागर हुए हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, आतंकवादी गतिविधियों पर नजर रखने वाली हमारी खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया है कि भारत पर और हमले हो सकते हैं और उन्हें रोकना और उनसे निपटना आवश्यक समझा गया। उन्होंने कहा, आज सुबह, भारत ने सीमा पार आतंकवाद को रोकने के लिए जवाब देने के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया। हमारी कार्रवाई नपी-तुली और गैर-बढ़ी हुई, आनुपातिक और जिम्मेदाराना थी। हमने आतंकवादियों के बुनियादी ढांचे को नष्ट करने पर ध्यान केंद्रित किया।

इस प्रेस ब्रीफिंग की शुरुआत में भारत पर हुए कई हमलों से जुड़ी एक क्लिप भी दिखाई गई थी, जिसमें 2001 का संसद हमला, 2008 का मुंबई आतंकी हमला, उरी, पुलवामा और पहलगाम हमला शामिल है।

हम चाहते थे आतंकवादियों का सफाया हो, सशस्त्र बलों ने कर दिखाया : अजय राय

वाराणसी ,एंजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके के 9 आतंकी ठिकानों को एयर स्ट्राइक कर ध्वस्त कर दिया है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना की इस जवाबी कार्रवाई से पूरे देश में खुशी की लहर है और भारत में राजनीतिक दलों की ओर से भी प्रतिक्रिया आ रही हैं। यूपी कांग्रेस के चीफ अजय राय ने भारतीय सेना के शौर्य को सलाम किया है।

यूपी कांग्रेस चीफ अजय राय ने कहा कि निश्चित रूप से हम चाहते थे कि देश की रक्षा के लिए लाया गया राफेल सक्रिय कार्रवाई करे, आतंकवादियों का सफाया करे और आतंकवाद को पनाह देने वाले देशों से निपटे। वह कार्रवाई हुई है, जो पूरे देश की इच्छा थी। जब हम पीड़ित परिवारों से मिले, तो उन्होंने अपने बेटों, पतियों और मारे गए निर्दोष नागरिकों के लिए तत्काल प्रतिशोध की इच्छा व्यक्त की। हम लगातार यह मांग उठाते रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, इसी कारण से, मैंने यह मुद्दा उठाया और मैं अपने सशस्त्र बलों की वीरता की सराहना करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के शौर्य पर गर्व है और हम चाहते हैं कि भारतीय सेना आगे भी आतंकवादी ठिकानों पर कार्रवाई करे और आतंकवाद को जड़ से खत्म करे।

बता दें कि हाल ही में राफेल को लेकर अजय राय ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि राफेल पर नींबू-मिर्च सरकार ने बांधा है, मैं बस याद दिला रहा हूं कि राफेल से नींबू-मिर्च कब हटेंगे और राफेल अपना काम कब करेगा?

उनकी इस टिप्पणी का काफी विरोध भी हुआ था। खुद उनकी पार्टी के लोगों ने इसे सही नहीं करार दिया था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने

कहा कि उन्होंने काफी हल्की बात की है। किस संदर्भ में उन्होंने यह बात की है, इस बारे में तो वही बेहतर बता सकते हैं। लेकिन, एक समझदार व्यक्ति होने के नाते उन्हें समझना चाहिए कि हथियार और हवाई जहाज महत्वपूर्ण चीजें होती हैं। हमारी सेना के हथियारों को खिलौना नहीं कहना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पंजाब में अलर्ट ≂ 5 जिलों में स्कूल बंद, सीएम मान के कार्यक्रम रद्द; अमृतसर-चंडीगढ़ एयरपोर्ट बंद

चंडीगढ़ । भारत द्वारा %ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके के 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक के बाद पंजाब में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। अमृतसर, गुरदासपुर, पठानकोट, फाजिल्का और फिरोजपुर जिलों में अगले आदेश तक सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। सुरक्षा कारणों से करतारपुर कॉरिडोर भी बंद कर दिया गया है।

सीएम भगवंत मान और दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल के आज के पंजाब दौरे के सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। अमृतसर एयरपोर्ट 10 मई तक बंद रहेगा, जबकि चंडीगढ़ एयरपोर्ट को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है।

सीएम भगवंत मान ने ङ्ग पर कहा, आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में पूरा देश एकजुट है। हमें अपनी भारतीय सेना और वीर सैनिकों पर गर्व है। वहीं कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि फिलहाल सरकार के सारे कार्यक्रम रद्द किए गए हैं। पंजाब की जनता से अपील है कि सरकार की एडवाइजरी का पालन करें। सेना के साथ पूरा पंजाब खड़ा है। नेताओं की अपील के साथ प्रशासन ने सीमावर्ती इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर' के बीच मनोज मुंतशिर ने पाकिस्तान से कहा- 'औकात में रहो'

मुंबई ,एंजेंसी। पाकिस्तान पर भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' को सलाम करते हुए गीतकार-लेखक मनोज मुंतशिर ने पाकिस्तान को खूब खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक क्लिप शेयर करते हुए कहा कि कुल चार युद्ध हुए और पाक हमसे कभी जीत नहीं सका, तो मैं कह सकता हूं कि उन्हें औकात में रहना चाहिए। इंस्टाग्राम हैंडल पर वीडियो क्लिप शेयर करते हुए मनोज मुंतशिर ने लिखा, औकात में रहो। वहीं, वीडियो में वह कहते नजर आए, मैं एक बात सोचता हूं कि पाकिस्तान ने पूरे इतिहास में हमसे कुल चार युद्ध लड़े और चारों हमसे हार गए। तो वो जो मेडल लटकाए चलते हैं, वो क्या कैंडी क्रश गेम खेलकर जीते हैं? आटा मांगने के लिए लाइन लगाते हैं, लेकिन चाहिए उन्हें कश्मीर।

पड़ोसी मुल्क पर तंज कसते हुए मुंतशिर ने उन्हें सलाह भी दे दी। उन्होंने आगे कहा, मैं उन्हें एक मशवरा दे देता हूं कि इस दुनिया में रहने के लिए एक से बढ़कर एक जगह हैं, लेकिन अच्छा ये है कि औकात में रहो।

इससे पहले मनोज मुंतशिर ने ऑपरेशन सिंदूर' की तस्वीर शेयर करते हुए भारतीय सेना के शौर्य को सलाम किया। उन्होंने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, जय हिंद, जय हिंद की सेना।

देश के मुद्दों को लेकर मुखर रहने वाले मनोज मुंतशिर ने 25 अप्रैल को एक पोस्ट शेयर कर पहलगाम हमले को लेकर देशवासियों से मार्मिक अपील की थी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो जारी करके उन्होंने लोगों से इस घटना को न भूलने की अपील की थी।

देशवासियों से अपील करते हुए मनोज मुंतशिर ने कहा था, देशवासी जैसे मुर्शिदाबाद, दिल्ली, कोलकाता भूल गएज् वैसे ही पहलगाम भी भूल जाएंगे।

मुंतशिर ने पहलगाम हमले में अपने पति शुभम को खोने वाली एशान्या के साथ ही हमले में जान गंवाने वाले पुणे के संतोष, पिता को खोने वाले 12 वर्षीय तनुज, हमले में जान गंवाने वाले कर्नाटक के मंजूनाथ और बेंगलुरु के भारत भूषण का जिक्र किया और जघन्य आतंकवादी कृत्य पर मरने के लिए तैयार होने की चेतावनी देते हुए कहा था, अगर हर बार की तरह इस बार भी भूल गए तो घी के कनस्तर, गेंदे और गुलाब के फूल, आम की लकड़ियां, ये सब संभाल के रखना। तुम्हारे अपनों की चिताओं को इनकी जरूरत पड़ती रहेगी, भूलना मत।

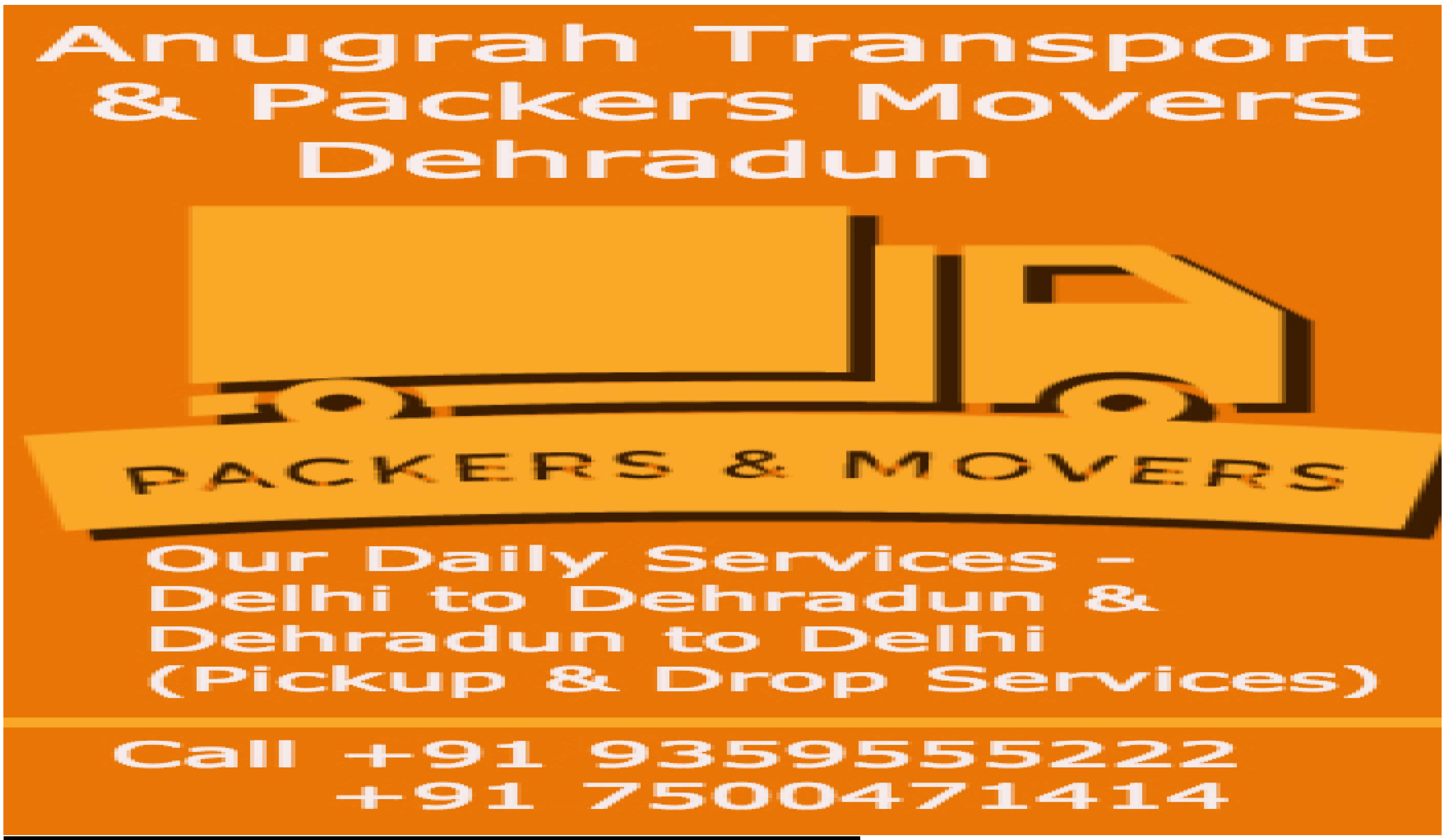

कार के शीशों में काली फिल्म लगाने वाले चालक पर कार्यवाही

थाना लमगड़ा ने मौके पर ही काली फिल्म उतरवाकर दी सख्त हिदायत

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। श्री देवेन्द्र पींचा, एसएसपी अल्मोड़ा द्वारा समस्त प्रभारी निरीक्षकों/थाना प्रभारियों को वाहनों में अवैध लाल नीली बत्ती, हूटर, बहुरंगी लाइट, शीशों में काली फिल्म लगाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने की सख्त निर्देश दिए गए हैं।

इसी क्रम में आज दिनांक 07.05.2025 को अपर पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा श्री हरबन्स सिंह व सीओ अल्मोड़ा श्री गोपाल दत्त जोशी के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष लमगड़ा श्री राहुल राठी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान एक कार चालक द्वारा शीशों पर काली फिल्म लगायी हुई थी, जिसको मौके पर निकालकर चालक के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी कार्यवाही की गई। साथ ही वाहन चालक को सख्त हिदायत दी कि इस तरह से शीशों पर काली फिल्म का प्रयोग न करें।

एसएसपी के निर्देश पर अल्मोड़ा पुलिस हाई अलर्ट पर, जिलेभर में सघन चेकिंग अभियान जारी

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। एसएसपी देवेन्द्र पींचा के स्पष्ट निर्देशों के बाद जिलेभर की पुलिस चौकसी के मोड में आ गई है। सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा जनपद के सभी क्षेत्रों में सघन चेकिंग एवं सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस के सभी सर्किल ऑफिसर, कोतवाल, थानाध्यक्ष, चौकी प्रभारी, एसओजी और क्यूआरटी टीमें पूरी तरह से अलर्ट पर हैं। खुफिया तंत्र एलआईयू को भी सक्रिय कर दिया गया है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की समय पर सूचना मिल सके। जनपद के सभी प्रमुख प्रवेश मार्गों पर संदिग्ध वाहनों, वस्तुओं और व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। प्रत्येक स्थान पर चेकिंग पॉइंट्स बनाकर पुलिस टीमों द्वारा कड़ी निगरानी की जा रही है। साथ ही आपराधिक और संदिग्ध तत्वों की पहचान के लिए पूरे जनपद में व्यापक सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि अफवाहें फैलाने या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को समय रहते रोका जा सके। नागरिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए जनपद में बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। अल्मोड़ा पुलिस का यह सतर्कता अभियान लगातार जारी है, और प्रशासन ने साफ किया है कि किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनपदवासियों से भी अपील की गई है कि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें और सहयोग करें।

पांच दिवसीय ऐपण प्रशिक्षण कार्यशाला में पारंपरिक कला को स्वरोजगार से जोड़ने पर जोर

इंडिया वार्ता ब्यूरो

अल्मोड़ा। मोहन उप्रेती लोक संस्कृति, कला एवं विज्ञान शोध समिति तथा उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के मानसखंड साइंस सेंटर, अल्मोड़ा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय ऐपण प्रशिक्षण कार्यशाला का प्रथम चरण मंगलवार को संपन्न हुआ। कार्यशाला में ऐपण विशेषज्ञ मीरा जोशी ने प्रतिभागी महिलाओं को ऐपण की पारंपरिक शैली, सांस्कृतिक महत्व और तकनीकी बारीकियों की जानकारी दी। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि यह लोक कला केवल सांस्कृतिक पहचान तक सीमित न रहकर स्वरोजगार का सशक्त माध्यम बन सकती है। समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे अल्मोड़ा नगर के मेयर अजय वर्मा ने मोहन उप्रेती संस्थान एवं यूकॉस्ट द्वारा पारंपरिक कलाओं को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ें। मानसखंड साइंस सेंटर के इंचार्ज डॉ. नवीन चंद्र जोशी ने अपने संबोधन में पारंपरिक ऐपण कला से जुड़ी स्मृतियों को साझा करते हुए बताया कि पूर्व में कैसे सिक्कों की मदद से पिछोड़ों पर छपाई की जाती थी। संस्था के अध्यक्ष हेमंत कुमार जोशी ने कहा कि ऐपण की यह विरासत पीढ़ी दर पीढ़ी परिवार और समाज के माध्यम से हस्तांतरित होती रही है, जिसे संरक्षित और समृद्ध करने की जरूरत है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी महिलाओं को प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए और उनके द्वारा बनाए गए ऐपण कार्यों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। कार्यक्रम में संस्था के सचिव कमल पांडे, नमिता टम्टा, पंकज कुमार, हेमा वर्मा, एनयूएलएम मिशन इंचार्ज शांता गुरुनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन गायत्री जोशी ने किया।

जिलाधिकारी ने मल्ला महल परियोजना के कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। अल्मोड़ा जनपद में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित मल्ला महल सौंदर्यीकरण एवं संग्रहालय निर्माण परियोजना की धीमी प्रगति को लेकर जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय ने सभी संबंधित विभागों और उत्तरदायी संस्थाओं के साथ एक समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागों ने अपने-अपने कार्यों की प्रगति पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत की। कार्यों में अपेक्षित प्रगति न होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण न करने हेतु संबंधित अधिकारियों को फटकार भी लगायी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह परियोजना अल्मोड़ा के पर्यटन विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए और कहा कि संग्रहालय निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कर आम जनता के लिए खोला जाए। उन्होंने यह भी कहा कि मल्ला महल को एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ पर्यटकों को भी समृद्ध अनुभव प्राप्त हो सके। परियोजना के पूर्ण होने से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, जिला पर्यटन विकास अधिकारी प्रकाश खत्री, जनमेजय तिवारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पलक तिवारी बोलीं-मां ने मुझे शोहरत दिलाई

पलक तिवारी इन दिनों चर्चा में हैं। वह संजय दत्त और मौनी रॉय अभिनीत हॉरर कॉमेडी फिल्म द भूतनी में नजर आ रही हैं। बिजली-बिजली गाने से लोगों के बीच चर्चा में आई पलक की तुलना अक्सर उनकी मां श्वेता तिवारी से की जाती है।

हाल ही में उन्होंने इस पर खुलकर बात की और बताया कि मां का उनके करियर में कोई योगदान नहीं है और अगर होता तो उन्हें सलमान की फिल्म में इतनी छोटी भूमिका नहीं मिलती। पलक से पूछा क्या आप मानती हैं कि आपको अपनी अभिनेत्री मां के कारण इतना बड़ा मौका मिला तो वह बोलीं, मैं टीवी पर जाती तो मुझे बहुत फायदा मिलता, क्योंकि मेरी मम्मी ने छोटे पर्दे पर एक बहुत बड़ा मुकाम बनाया है, लेकिन अपनी पहली फिल्म का मौका मुझे बिग बॉस के कारण मिला, जहां मैं हार्डी संधू के साथ अपना बिजली गाना प्रमोट करने गई थी। मम्मी के कारण मुझे शोहरत बहुत मिली, लेकिन फिल्म नहीं।

पलक कहती हैं, फिल्म किसी का भाई किसी की जान में मेरा किरदार छोटा था। अगर फायदा होना होता तो फिर रोल में भी होना चाहिए था। सलमान खान ने मुझे मौका दिया, क्योंकि उन्होंने मुझे उस रोल के काबिल समझा। वे मुझे बच्चे की तरह मानते हैं और उन्हें लगा कि इस रोल के जरिए मैं इंडस्ट्री में परिचित हो जाऊंगी, लेकिन मैं नहीं मानती कि मम्मी के स्टारडम के कारण काम के तरीके में मुझे कोई मदद मिली। मां के साथ अपनी तुलनाओं पर पलक ने कहा, दरअसल, मेरी मम्मी बहुत मशहूर हैं, तो लोग ये भूल जाते हैं कि वे मेरी मां हैं। अब तो हम इस बात पर हंसना सीख गए हैं, लेकिन पहले हमें भी ये बात अजीब लगती थी। अक्सर लोग कहते हैं कि उन्हें मेरी मां मुझसे ज्यादा पसंद हैं। लोगों को लगता है कि हमारे बीच प्रतिस्पर्धा है। ये बात बहुत फनी लगती है। अपनी मां से मैं क्यों प्रतिस्पर्धा करूंगी भाई।

पलक का नाम काफी समय से सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान संग जुड़ रहा है।

इस पर वह बोलीं, देखिए, मेरे साथ चाहे कोई भी लड़का क्यों न हो, यही कहा जाता है कि मेरा चक्कर चल रहा है। क्या एक लड़की एक लड़के के बगल में खड़ी नहीं हो सकती? आमतौर पर पानी पूरी के ठेले पर खड़े लड़का-लड़की के बारे में तो कोई ये नहीं कहता, लेकिन हीरोइनों का चक्कर जरूर चला दिया जाता है।

द भूतनी के बाद पलक फिल्म रोमियो एस3 में दिखाई देंगी। इस फिल्म के निर्देशन की कमान गुड्डू धनोआ ने संभाली है। पिछले दिनों इस फिल्म से उनकी पहल झलक भी सामने आई थी। रोमियो एस3 में पलक के साथ ठाकुर अनूप सिंह नजर आएंगे।

उत्तराखंड बना वैश्विक विवाह केंद्रः त्रिजुगीनारायण में उमड़ रहे अंतरराष्ट्रीय जोड़े

रुद्रप्रयाग, इंडिया वार्ता ब्यूरो। देवभूमि उत्तराखंड अब न केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए बल्कि एक प्रतिष्ठित वैश्विक विवाह स्थल के रूप में भी तेजी से उभर रहा है। रुद्रप्रयाग जनपद में स्थित पौराणिक त्रिजुगीनारायण मंदिर, जो भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह का पवित्र स्थान माना जाता है, देश-विदेश के जोड़ों के लिए एक ड्रीम डेस्टिनेशन बन गया है। यहां सनातन परंपराओं के अनुसार परिणय सूत्र में बंधने के लिए दूर-दूर से लोग खिंचे चले आ रहे हैं। आलम यह है कि शादियों के मौसम में यहां हर महीने 100 से अधिक विवाह संपन्न हो रहे हैं, जिसके चलते एडवांस बुकिंग तक करानी पड़ रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विभिन्न मंचों पर उत्तराखंड को डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए बढ़ावा देने की अपील का स्पष्ट प्रभाव त्रिजुगीनारायण मंदिर में देखने को मिल रहा है। इस पवित्र स्थल पर विवाह करने की बढ़ती चाहत ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी पंख लगा दिए हैं। होटल व्यवसायी, पुजारी, वेडिंग प्लानर, पारंपरिक मंगल गीत गाने वाली टीमें और ढोल-दमाऊ वादक सहित अनेक लोगों को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। क्षेत्र की वेडिंग प्लानर रंजना रावत ने बताया कि आगामी 7 से 9 मई के बीच सिंगापुर में कार्यरत भारतीय मूल की डॉक्टर प्राची भी त्रिजुगीनारायण में विवाह करने आ रही हैं, जिसके लिए उन्होंने जीएमवीएन टीआरएच में बुकिंग कराई है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि इस वर्ष अप्रैल माह तक ही लगभग 500 शादियां यहां संपन्न हो चुकी हैं, जबकि पूरे वर्ष 2024 में यह आंकड़ा 600 था। रावत ने बताया कि त्रिजुगीनारायण की पवित्र भूमि इसरो के एक वैज्ञानिक, अभिनेत्री चित्रा शुक्ला, कविता कौशिक, निकिता शर्मा, गायक हंसराज रघुवंशी, यूट्यूबर आदर्श सुयाल और गढ़वाली लोकगायक सौरभ मैठाणी जैसी कई जानी-मानी हस्तियों के सात फेरों की साक्षी बन चुकी है।

त्रिजुगीनारायण मंदिर के पुजारी सच्चिदानंद पंचपुरी ने विवाह की प्रक्रिया के बारे में बताते हुए कहा कि यहां सनातन धर्म के अनुयायियों का विवाह वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न होता है। इसके लिए पहले से मंदिर में रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। साथ ही, माता-पिता या अभिभावकों की उपस्थिति भी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में ही सात फेरों के लिए वेदी बनाई जाती है, जिसके बाद अखंड ज्योति के समक्ष परिक्रमा की जाती है। अन्य विवाह संबंधी आयोजन नजदीकी होटल और रिसॉर्ट में आयोजित किए जाते हैं। सीतापुर तक के होटलों में भी स्थानीय पुजारी विवाह संपन्न कराते हैं, जिनके लिए दक्षिणा की दरें निर्धारित हैं। त्रिजुगीनारायण मंदिर का ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व अद्वितीय है। यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है और मान्यता है कि यहीं पर भगवान शिव और देवी पार्वती का शुभ विवाह संपन्न हुआ था। स्वयं भगवान विष्णु ने इस विवाह में देवी पार्वती के भाई के रूप में कन्यादान किया था। मंदिर परिसर में प्रज्वलित अखंड अग्नि को शिव और पार्वती के सात फेरों का प्रतीक माना जाता है। मंदिर की वास्तुकला प्रसिद्ध केदारनाथ मंदिर से काफी मिलती-जुलती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद उत्तराखंड में डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उमड़ रहे देश-विदेश के जोड़े न केवल इस पवित्र भूमि के महत्व को बढ़ा रहे हैं, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए द्वार भी खोल रहे हैं। उत्तराखंड सरकार भी राज्य में डेस्टिनेशन वेडिंग को बढ़ावा देने के लिए हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। देवभूमि उत्तराखंड, अपनी प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व के साथ, अब वैश्विक स्तर पर विवाह के एक अद्वितीय गंतव्य के रूप में अपनी पहचान बना रहा है और आपका स्वागत करने के लिए तैयार है।

रामनगर के बैलपड़ाव के जंगल में लगी भीषण आग, काबू पाने में जुटा वन महकमा

रामनगर इंडिया वार्ता ब्यूरो। रामनगर तराई पश्चिमी डिवीजन के बैलपड़ाव क्षेत्र में बीती रात जंगल में आग लग गई। आग पुलिस चौकी और आबादी क्षेत्र के करीब लगने से लोगों में हड़कंप मच गया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि पुलिस चौकी तक धुआं उठने लगा। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश की। बैलपड़ाव क्षेत्र में लगी आग को वन विभाग की टीम काबू पाने की हर संभव कोशिश कर रही है। आग आबादी क्षेत्र के पास है, इसलिए स्थिति को गंभीरता से लिया जा रहा है। यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया गया, तो रिहायशी इलाके तक आग पहुंच सकती है। फायर वॉचर डूंगर सिंह ने कहा कि हमारी टीम मौके पर है, आग को फैलने से रोकने के लिए फायर लाइन काटी जा रही है, रात में काम करना चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन हमारी प्राथमिकता आग पर नियंत्रण और लोगों की सुरक्षा करना है। गौरतलब है कि गर्मियों के मौसम में जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। लेकिन यह घटना जिस स्थान पर हुई है, वह संवेदनशील है और इसके पीछे किसी शरारती तत्वों की भूमिका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। प्रशासन और वन विभाग ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें और अफवाहों से बचें।

कैबिनेट मंत्री ने भगवानपुर में किया कामकाजी महिला छात्रावास का भूमि पूजन

कैबिनेट मंत्री बोली पराक्रम के साथ ही भारत ने महिला सशक्तिकरण का भी दिया संदेश

इंडिया वार्ता ब्यूरो

भगवानपुर हरिद्वार। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि जिन आतंकियों और उनके आकाओं ने कुछ भारतीय महिलाओं की मांग का सिंदूर उजाड़ने का दुस्साहस किया था, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए उन्हें ही मिट्टी में मिला दिया। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने बुधवार को भगवानपुर में कामकाजी महिला छात्रावास का भूमि पूजन किया।

महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि यह कामकाजी महिला छात्रावास 279.05 लाख रुपए की लागत से बनकर तैयार होगा और यह लगभग 750 वर्ग मीटर के एरिया में फैला होगा। उन्होंने कहा कि छात्रावास के बनने से भगवानपुर और आसपास के क्षेत्र में कामकाजी महिलाओं को आवास संबंधी समस्या से मुक्ति मिलेगी।

कैबिनेट मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की चर्चा करते हुए कहा कि आज हर भारतवासी के लिए गर्व का दिन है, क्योंकि हमारी बहादुर सेना ने आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर मारा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने इसे ऑपरेशन सिंदूर का नाम भी इसीलिए दिया ताकि कोई आतायी भविष्य में ऐसी वारदात करने का दुस्साहस न कर सके।

पत्रकारों से वार्ता करते हुए कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि इस अभियान की सफलता के बाद इसकी जानकारी देने के लिए भी सेना की दो महिला अधिकारी सामने आई, जिससे पूरी दुनिया में संदेश गया कि भारत की नारियां कितनी सशक्त हैं। इस अवसर पर राज्य मंत्री श्याम वीर सैनी, विधायक ममता राकेश, उपनिदेशक विक्रम सिंह, डीपीओ सुलेखा सहगल, राज्य परियोजना अधिकारी आरती बलोदी, धर्मवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

महालक्ष्मी किट और किशोरी किट का वितरण

कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने पात्र महिला और किशोरियों को महालक्ष्मी किट और किशोरी किट का वितरण भी किया इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत छात्रावास निर्माण स्थल पर पौधा भी रोपा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

केंद्रीय गृह मंत्री के साथ ...

उत्तराखंड में कई राष्ट्रीय महत्व के प्रतिष्ठान हैं, इन संस्थानों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी तरह की आपात स्थिति के लिए जिला और तहसील स्तर पर खाद्यान सहित आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बनाये रखी जाए। अस्पतालों को आपातकालीन परिस्थितियों के लिए अलर्ट रखा जाए। सभी आवश्यक दवाओं का पूर्ण प्रबंध किया जाय। उन्होंने कहा कि नागरिक सुरक्षा दल और स्वयंसेवी संस्थाओं को बचाव और राहत कार्य के लिए प्रशिक्षण दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को भी सही सूचनाओं के साथ सतर्क किया जाए, साथ ही इस बात का ध्यान रखा जाए कि जन सामान्य के पास हर तरह से सही और प्रमाणित सूचनाएं ही पहुंचे, ताकि वो अफवाह से दूर रह सकें। साथ ही अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती की जाए। सोशल मीडिया के माध्यम से इस पर लगातार निगरानी रखी जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़ते हुए, कार्मिकों के अवकाश मंजूर न किए जाएं। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को अपने-अपने जिलों में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के निर्देश दिए। लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि शासन - प्रशासन हर तरह से मदद के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा के लिए अतिरिक्त केंद्रीय सुरक्षा बल उपलब्ध कराने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का विशेष आभार व्यक्त किया है। बैठक में मुख्य सचिव श्री आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव श्री आर.के सुधांशु, डीजीपी श्री दीपम सेठ, सचिव श्री शैलेश बगोली, श्री वीके सुमन शामिल हुए।

गौरव प्रधानमंत्री और रोहित बने नेता प्रतिपक्ष

इंडिया वार्ता ब्यूरो

ऋषिकेश । पुष्पा बडेरा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में बुधवार को छात्र संसद का गठन किया गया, जिसमें गौरव खंडूरी प्रधानमंत्री और रोहित नेता प्रतिपक्ष निर्वाचित हुए। बुधवार को ढालवाला स्थित पुष्पा बडेरा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में छात्र संसद के विभिन्न पदों पर निर्वाचन प्रक्रिया हुई। जिसमें विभिन्न कक्षाओं से चयनित योग्य सांसदों द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग किया गया।

प्रधानमंत्री पद पर गौरव खंडूरी 37 मतों से विजय हुए। उप प्रधानमंत्री पद पर अंशुमान कुकरेती नौ मतों से विजयी घोषित किए गए। सेनापति पद पर गौरव गैरोला 8 जबकि उप सेनापति पद पर अक्षत नेगी 6 मतों से विजयी हुए।

संसदीय कार्यमंत्री सुशांत सेमवाल, नेता प्रतिपक्ष रोहित, संसदीय कार्य मंत्री हार्दिक गोसाईं, अनुशासन प्रमुख दीपांशु रावत, पुस्तकालय प्रमुख अनीश जोशी, प्रतियोगिता प्रमुख प्रिंस झा, वंदना प्रमुख नैतिक गोसाईं, सांस्कृतिक प्रमुख बंशीधर, सूचना एवं समाचार प्रमुख विपिन सिंह, खेल प्रमुख आयुष मैठाणी, शारीरिक प्रमुख सचिन रावत, घोष प्रमुख अभिनव सकलानी, खोया पाया प्रमुख समीप नेगी, स्वच्छता प्रमुख वंश कुकरेती, उद्यान प्रमुख प्रियांशु पुंडीर, भोजन प्रमुख शौर्य थपलियाल, प्राथमिक उपचार प्रमुख अध्ययन नौटियाल, पुरस्कार प्रमुख देवस्या बहुगुणा, कंप्यूटर प्रमुख वैभव वर्धन, अतिथि प्रमुख आशीष रतूडी, जल प्रमुख निशांत शर्मा, योग प्रमुख अभिषेक कुकरेती, विद्युत प्रमुख विनायक जोशी, गोपनीयता प्रमुख अमन सकलानी निर्वाचित हुए। प्रधानाचार्य विजय बडोनी ने समस्त छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छात्र संसद का गठन छात्रों को संसदीय प्रक्रियाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों से परिचित कराने के लिए किया जाता है। छात्र अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अपने कौशलों में वृद्धि, नेतृत्व क्षमता का विकास, सार्वजनिक सेवा, लोकतंत्र का ज्ञान, सहयोग की भावना, अपने विचारों को प्रकट करने के लिए स्वतंत्र आदि गुणों से युक्त हो जाता है। कहा कि गुरुवार को नव निर्वाचित हुए छात्र संसद के पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी।

पर्याप्त विशेषज्ञों की टीम तैनात

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। सचिव पशुपालन ने बताया कि पशुपालन विभाग द्वारा इस स्थिति से निपटने के लिए जनपद में एक मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, दो उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, 22 पशु चिकित्सक, राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र के दो वैज्ञानिकों की टीम तैनात की गई है। सचिव पशुपालन ने बताया इसके अतिरिक्त पंतनगर विश्वविद्यालय के दो विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती भी की हो रही है। दोनों विशेषज्ञ डॉक्टर वर्ष 2009 में भी इस बीमारी के रोकथाम में सक्रिय रूप के कार्य कर चुके हैं।

सचिव पशुपालन ने बताया कि यात्रा को सुचारू करने के लिए स्वस्थ एवं अस्वस्थ घोड़े खच्चरों को चिन्हित किया जा रहा है। अस्वस्थ घोड़े को यात्रा मार्ग में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही स्वस्थ घोड़ों की सैंपलिंग कर रिपोर्ट नेगेटिव आने पर ही उन्हें यात्रा मार्ग में ले जाने की अनुमति होगी। उन्होंने बताया कि हर वर्ष यात्रा मार्ग पर पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश से 2-3 हजार घोड़े खच्चर आते हैं। एक्वाइन इन्फ्लूएंजा वायरस से बचाव के चलते यूपी से आने वाले घोड़ों-खच्चरों पर वर्तमान समय तक पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया है। सचिव पशुपालन ने बताया कि एक्वाइन इन्फ्लूएंजा वायरस में जानवरों से मनुष्यों में संक्रमण नहीं फैलाता है, परंतु यह घोड़े-खच्चरों में इसका संक्रमण बहुत तेजी से फैलता है। सचिव पशुपालन ने बताया कि केदार घाटी में घोड़े-खच्चरों में बढ़ते संक्रमण को देखते हुए स्थानीय लोगों एवं घोड़े-खच्चर व्यवसायियों व अन्य संगठनों द्वारा भी यात्रा मार्ग पर घोड़े खच्चरों पर लगी रोक को आगे बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। ताकि यात्रा मार्ग पर घोड़े खच्चरों में और संक्रमण बढ़ने की स्थिति उत्पन्न ना हो। उन्होंने बताया कि घोड़े खच्चरों के पुन: संचालन के लिए जिला प्रशासन स्थानीय स्तर पर निर्णय लेगा।

आस्था पथ और मंदिर परिसर में एलसीडी से हो रहे लाइव दर्शन

रुद्रप्रयाग , इंडिया वार्ता ब्यूरो। केदारनाथ धाम की यात्रा को इस साल और भी भव्य और सुविधाजनक बनाने के लिए प्रशासन निरंतर कार्य कर रहा है। श्रद्धालुओं को जब तक मंदिर के अंदर जाकर बाबा केदार के दर्शन करने में वक्त लग रहा है उस दौरान वे आस्था पथ और मंदिर परिसर में प्रशासन द्वारा लगाए गए एलसीडी पर धाम की दिव्यता और भव्यता का साक्षात अनुभव कर रहे हैं। हर साल बड़ी संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शनों के लिए केदारनाथ धाम पहुंचते हैं। ऐसे में अक्सर मंदिर तक पहुंचने से पहले लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ता है। ऐसे में श्रद्धालुओं की आस्था और धैर्य को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा एक विशेष योजना में आस्था पथ और मंदिर परिसर में एलसीडी स्क्रीन लगाए हैं जिन पर बाबा केदारनाथ के लाइव दर्शन दिखाए जा रहे हैं। जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि आस्था पथ पर 50 इंच के 10 एलसीडी टीवी लगाए गए हैं। जबकि मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से एक विशाल 10म20 फीट का एलसीडी टीवी लगाया गया है, जिस पर बाबा केदार के लाइव दर्शन के साथ-साथ भगवान शिव से जुड़ी कथाएं, उनकी महिमा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी प्रसारित की जाएंगी। यह पहल श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक रूप से जोड़ने का एक अनूठा प्रयास है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा
संपादक: संदीप शर्मा
सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास
संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी
अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की
अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की
ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल

Email.
indiawarta@gmail.com
indiawarta@rediffmail.com
Web Site
www.indiawarta.com
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M-7500471414,7500581414

नोट- समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

4 अप्रैल से यात्रा शुरू होने तक उत्तराखंड में 16 हज़ार घोड़े- खच्चरों की सैंपलिंग की गई : सचिव पशुपालन

अस्वस्थ घोड़े को यात्रा मार्ग में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। सचिव पशुपालन डॉ बी.वी.आर.सी पुरुषोत्तम ने बुधवार को सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में केदारनाथ मार्ग में संचालित घोड़े खच्चरों में एक्काइन इन्फ्लूएंजा वायरस के बारे में पशुपालन विभाग द्वारा किए जा रहे प्रभावी कदम के बारे में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वायरस की जानकारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी एवं पशुपालन मंत्री श्री सौरव बहुगुणा के निर्देश पर पशुपालन विभाग ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाएं हैं। सचिव पशुपालन ने बताया कि राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान संस्थान ने बीते 26 मार्च 2025 को रूद्रप्रयाग जिले के दो गांव में घोड़े खच्चरों की सैंपलिंग की थी , जिसमें एक्काइन इन्फ्लूएंजा वायरस से संक्रमित घोड़े होने की सूचना मिली थी। उसके बाद पशुपालन विभाग ने कई तैयारियां की, 4 अप्रैल से यात्रा शुरू होने तक उत्तराखंड में 16 हज़ार घोड़े- खच्चरों की सैंपलिंग की गई हैं, सैंपलिंग में जो घोड़े नेगेटिव आए हैं, उन्हीं घोड़ों को यात्रा में ले जाने की अनुमति दी गई। 16 हज़ार घोड़ों की सैंपलिंग में 152 सैंपल पॉजिटिव आए हैं , एवं इन 152 सैंपल का पुन: आर.टी.पी.सी.आर टेस्ट भी कराया गया। जिसमें किसी भी घोड़े खच्चर की रिपोर्ट पॉजिटिव नहीं पाई गई। सचिव पशुपालन ने बताया कि 2 दिन की यात्रा में 13 घोड़े खच्चरो की मृत्यु होने की सूचना प्राप्त हुई है। जिसमें 8 घोड़ों की मृत्यु "डायरिया" एवं 5 घोड़ों की मृत्यु "एक्यूट कोलिक" से हुई है, इसके साथ ही विस्तृत रिपोर्ट के लिए इनके सैंपल आई.वी.आर.आई.बरेली

भेजे गए हैं। उन्होंने बताया मामले की गंभीरता को देखते हुए 22 से अधिक डॉक्टरों की टीम को यात्रा मार्ग में तैनात किया गया है।

पर्याप्त विशेषज्ञों की टीम तैनात

सचिव पशुपालन ने बताया कि पशुपालन विभाग द्वारा इस स्थिति से निपटने के लिए जनपद में एक मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी, दो उप मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी, 22 पशु चिकित्सक, राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र के दो वैज्ञानिकों की टीम तैनात की गई है। सचिव पशुपालन ने बताया इसके अतिरिक्त पंतनगर विश्वविद्यालय के दो विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती भी की हा रही है। दोनों विशेषज्ञ डॉक्टर वर्ष 2009 में भी इस बीमारी के रोकथाम में सक्रिय रूप के कार्य कर चुके हैं।

सचिव पशुपालन ने बताया कि यात्रा को सुचारू करने के लिए स्वस्थ एवं अस्वस्थ घोड़े खच्चरों को चिन्हित किया जा रहा है। अस्वस्थ घोड़े को यात्रा मार्ग में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही स्वस्थ घोड़ों की सैंपलिंग कर रिपोर्ट नेगेटिव आने पर ही उन्हें यात्रा मार्ग में ले जाने की अनुमति होगी। उन्होंने बताया कि हर वर्ष यात्रा मार्ग पर पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश से 2-3 हजार घोड़े खच्चर आते हैं। एक्काइन इन्फ्लूएंजा वायरस से बचाव के चलते यूपी से आने वाले घोड़ों- खच्चरों पर वर्तमान समय तक पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया है। सचिव पशुपालन ने बताया कि एक्काइन इन्फ्लूएंजा वायरस में जानवरों से मनुष्यों में संक्रमण नहीं फैलाता है, परंतु यह घोड़े- खच्चरों में इसका संक्रमण बहुत तेजी से फैलता है।

घोड़े खच्चरों पर लगी रोक को स्थानीय लोगों ने किया आगे बढाने का अनुरोध

सचिव पशुपालन ने बताया कि केदार घाटी में घोड़े- खच्चरों में बढ़ते संक्रमण को देखते हुए स्थानीय लोगों एवं घोड़े-खच्चर व्यवसायियों व अन्य संगठनों द्वारा भी यात्रा मार्ग पर घोड़े खच्चरों पर लगी रोक को आगे बढाने का अनुरोध किया गया है। ताकि यात्रा मार्ग पर घोड़े खच्चरों में और संक्रमण बढ़ने की स्थिति उत्पन्न ना हो। उन्होंने बताया कि घोड़े खच्चरों के पुन: संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय स्तर पर निर्णय लिया जाएगा।

प्रदेश में नागरिक सुरक्षा का पूर्वाभ्यास: आपदाओं से निपटने की तैयारी

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्द्धन ने आज सचिवालय में एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें प्रदेश में नागरिक सुरक्षा के लिए आगामी पूर्वाभ्यास की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस बैठक में प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों और सभी जिलाधिकारियों ने भाग लिया।

मुख्य सचिव ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश भर में नागरिक सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों और मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह पूर्वाभ्यास किसी भी आपातकालीन स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होंगे।

श्री बर्द्धन ने यह भी स्पष्ट किया कि इन पूर्वाभ्यास गतिविधियों का उद्देश्य आम जनता को जागरूक करना है, न कि उन्हें किसी प्रकार से भयभीत करना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनता के साथ लगातार संवाद स्थापित करें और उन्हें इन मॉक ड्रिल के महत्व और उनसे होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से बताएं।

मुख्य सचिव ने सभी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने स्तर पर आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण पूर्वाभ्यास कार्यक्रम है, जिसका लक्ष्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को किसी भी अप्रिय स्थिति के लिए तैयार करना है।

प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के प्रति नागरिकों को जागरूक करने की आवश्यकता पर बल देते हुए, मुख्य सचिव ने पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर पूर्वाभ्यास गतिविधियां आयोजित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आम जनता को यह स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि आपातकालीन और विपरीत परिस्थितियों में उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए गए। विद्यालयों और अस्पतालों में विशेष रूप से आपदा से बचाव के बारे में जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर जोर दिया गया।

मुख्य सचिव ने पूर्वाभ्यास के साथ-साथ स्थायी रूप से आपातकालीन परिस्थितियों के लिए एक सुदृढ़ योजना तैयार करने की आवश्यकता बताई। इसके लिए राज्य स्तरीय और जनपद स्तरीय नागरिक सुरक्षा समितियों को सक्रिय करने के निर्देश दिए गए। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने पर भी जोर दिया गया। प्राकृतिक और मानवजनित आपदाओं के दौरान प्रदेश में अलर्ट जारी करने के लिए सायरन सिस्टम को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए, साथ ही एसएमएस और वॉट्सऐप जैसे अन्य माध्यमों से भी अलर्ट संदेश भेजने के लिए एक प्रभावी तंत्र विकसित करने की बात कही गई।

घटना प्रतिक्रिया प्रणाली (आईआरएस) को और मजबूत करने के निर्देश देते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश और इसके नागरिकों को प्राकृतिक आपदाओं, मानवजनित आपदाओं और यहां तक कि युद्ध जैसी परिस्थितियों के लिए भी जागरूक किया जाना चाहिए। इसके लिए संचार तंत्र को मजबूत करने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि यदि आपातकालीन परिस्थितियों में संचार तंत्र विफल हो जाता है, तो आपातकालीन संचार व्यवस्था, वायरलेस और सैटेलाइट फोन आदि के लिए भी पर्याप्त तैयारी रहे। इस प्रक्रिया में सामुदायिक सहभागिता, आपदा मित्र, मंगल दल, एनएसएस और एनसीसी जैसे संगठनों को भी शामिल करने की बात कही गई। मुख्य सचिव ने बड़े बांधों और संवेदनशील भवनों में संभावित खतरे की स्थिति में सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं सहित एक विस्तृत आपदा प्रबंधन योजना तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी वाटर हाइड्रेंट्स को सुचारू करने और नागरिक सुरक्षा की दृष्टि से बड़े भवनों के सुरक्षित बेसमेंट आदि को तैयार रखने पर भी जोर दिया।

इस महत्वपूर्ण बैठक में पुलिस महानिदेशक श्री दीपक सेठ, प्रमुख सचिव श्री आर.के. सुधांशु, श्री आर. मीनाक्षी सुन्दरम, सचिव श्री शैलेश बगोली, श्री नितेश कुमार झा, डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरूषोत्तम, श्री चंद्रेश कुमार यादव, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, कमिश्नर गढ़वाल श्री विनय शंकर पाण्डेय और सचिव श्री विनोद कुमार सुमन, महानिदेशक सूचना श्री बंशीधर तिवारी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर कुमाऊं श्री दीपक रावत, विभिन्न जनपदों के जिलाधिकारी और भारतीय सेना के प्रतिनिधियों ने भी इस बैठक में भाग लिया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद देहरादून में हाई अलर्ट

पुलिस की संदिग्धों पर नजर, जगह-जगह तलाशी अभियान

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। पहलगाम में हुए हमले के बाद भारतीय सेना ने देर रात्रि पाकिस्तान में कार्यवाई के लिए चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दृष्टिगत एसएसपी देहरादून ने दून पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा है। तड़के से ही जिले के नगर और देहात क्षेत्र में संदिग्धों की तलाश के लिए वृहद स्तर पर सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस की अलग-अलग टीमों द्वारा अर्धसैनिक बलों के साथ बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन का अभियान चलाया जा रहा है। संदिग्धों व्यक्तियों को थाने लाकर लगातार पूछताछ की जा रही है। पाकिस्तान में भारतीय सेना द्वारा आतंकियों के विरुद्ध चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद दून पुलिस हाई अलर्ट पर है।

पहलगाम आतंकी हमले के 15वें दिन बड़ी कार्रवाई करते हुए भारत ने मंगलवार आधी रात के बाद एयर स्ट्राइक कर पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकाने तबाह कर दिए। ऑपरेशन सिंदूर के तहत सेना ने जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैय्यबा, हिजबुल, मसूद अजहर और हाफिज सईद के ठिकानों को निशाना बनाया गया। स्ट्राइक से पहले सेना ने सोशल मीडिया पर लिखा कि हमले को तैयार, जीतने को बेकरार। थोड़ी देर बाद ही पाकिस्तान पर स्ट्राइक की खबर आ गई। फिर सेना ने लिखा कि न्याय हुआ, जय हिंद।

पाठको के लिए

मान्यवर पाठकगण

१. दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

२. समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

३. नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

४. व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

सम्पादक
दैनिक इंडिया वार्ता
कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।
दूरभाष: 7500581414,9359555222